[Total No. of Printed Pages : 7] अनुक्रमांक.....

MASL - 202

गद्य एवं पद्य काव्य

एम.ए. संस्कृत (एमएएसएल-12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है, जो तीन (03) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही शिक्षार्थियों को प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2 x19=38)

1. निम्नलिखित श्लोकों एवं गद्यांशों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) तां चावश्यं दिवसगणनातत्परामेकपत्नी-
भव्यापन्नामविहतगतिर्द्रक्ष्यासि भ्रातृजायाम्।
आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ्गनोनां
सद्यःपाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि।।

(ख) दीर्घीकुर्वन्पटु मदकलं कूजितं सारसानां

प्रत्यूषेषु स्फुटितकमलामोदमैत्रीकषायः।

यत्र स्त्रीणां हरति सुरतग्लानिमङ्गानुकूलः

शिप्रावातः प्रियतम इव प्रार्थनाचाटुकारः।।

(ग) अद्य तु तत्तीर्थस्य नामापि केनापि न स्मर्यते? परं तत्समये तु लोकोत्तरं तस्य वैभवमासीत्। तत्र हि महार्ह-वैदूर्य-पद्मराग माणिक्य-मुक्ताफलादि जटितानि, कपाटानि स्तम्भान् गृहावग्रहणीः, भित्तीः, वलभीः, विटङ्कानि च निर्मथ्य, रत्ननिचयमादाय, शतद्वयमणसुवर्ण श्रृङ्खलावलम्बिनीं चञ्चच्चाकचक्य चकिती कृतावलोचक-लोचन-निचयां महाघण्टां प्रसह्य संगृह्य, महादेवमूर्तावपि, गदामुदतूतुलत्।

(घ) महाराष्ट्रदेशरत्नम्, यवन-शोणित-पिपासाऽऽकुलकृपाणः वीरता सीमन्तिनी सीमन्त-सुन्दर-सान्द्र-सिन्दूर-दान-देदीप्याय-मान दोदर्ष्डः, मुकुटमणिमहाराष्ट्राणाम्, भूषण भटानां निधिर्नीतानाम् कुलभवनम् कौशलानाम् पारावारः परमोत्साहानाम कश्चन् प्राप्तः स्मरणीयः स्वधर्माऽऽग्रह ग्रह गृहिलः शिवइव धृतावतारः शिववीरश्चास्मिन् पुष्यनगरान्नेदीयस्येव सिहदुर्गे ससेनो निवसति। विजयपुराधीश्वरेण साम्प्रतमस्य प्रवृद्ध वैरम्। ''कार्य वा साधयेमं देह वा पातयेमम्'' इत्यस्य सारगर्भा महती प्रतिज्ञा।

2. पूर्वमेघ की विषयवस्तु पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

3. शिवराजविजय के आलोक में तत्कालीन भारत की दशा स्पष्ट कीजिए।

4. पूर्वमेघ में वर्णित कालिदास के भौगोलिक ज्ञान पर सप्रमाण प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4 x 8=32)

1. ''रिक्तः सर्वो भवति हि लघुः पूर्णता गौरवाय'' सूक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

2. दूतकाव्य के रूप में मेघदूत एक आदर्श ग्रन्थ है। स्पष्ट कीजिए।

3. ''याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा'' सूक्ति की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए।

4. ''कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु'' उक्त सूक्ति के आधार पर यक्ष की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

5. 'शिवराजविजय' के आलोक में सूर्य महिमा को स्पष्ट कीजिए।

6. 'शिवराजविजय' उत्कृष्ट ऐतिहासिक उपन्यास है। स्पष्ट कीजिए।

7. संस्कृत गद्य-साहित्य में 'शिवराजविजय' की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

8. 'शिवराजविजय' में वर्णित सोमनाथ मन्दिर विषयक एक लेख लिखिए।

(खण्ड-ग)

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10 x 1=10)

सही विकल्प चुनिए :

1. यक्ष ने मेघ को आषाढ मास के किस दिन देखा?

   (अ) प्रथम दिन

   (ब) द्वितीय दिन

(स) तृतीय दिन

(द) चतुर्थ दिन

2. मेघ के मिश्रण में निन्न में से कौन नहीं आता?

(अ) अग्नि

(ब) जल

(स) वायु

(द) आकाश

3. कालिदासकृत महाकाव्यों की संख्या है

(अ) एक

(ब) दो

(स) तीन

(द) चार

4. यवन युवक द्वारा हरण की गयी कन्या की आयु क्या थी?

(अ) लगभग नौ वर्ष

(ब) लगभग आठ वर्ष

(स) लगभग सात वर्ष

(द) लगभग छः वर्ष

5. सुमेलित कीजिए

(अ) शिशुपालवध – (i) अंक

(ब) काव्यप्रकाश – (ii) उल्लास

(स) मुद्राराक्षस – (iii) प्रकाश

(द) दशरूपक – (iv) सर्ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य/असत्य लिखकर दीजिए :

6. मेघदूत का प्रधान रस विप्रलम्भ शृंगार है।

7. कुबेर की राजधानी अलकापुरी है।

8. बिहारी–बिहार अम्बिकादत्त व्यास की रचना है।

9. भारत के पराधीन होने का कारण पृथ्वीराज चौहान और जयचन्द्र की आपसी फूट थी।

10. वेत्रवती नदी विदिशा में नहीं बहती है।

*****